हो जय जय तेरी | By Suresh Sagar (KKP)

शिव नंदन गणपति गजानन जय जय तेरी
हो जय जय तेरी, हो जय जय तेरी
दु:ख भंजन और विघ्न हरण अब करो न देरी
हो जय जय तेरी, हो हो हो जय जय तेरी

ब्रह्म मंडल सुरमंडल प्रभु तेरा यश हैं गायें
सुखसागर रिद्धि सिद्धि का दाता कहलाएं
मंगलकारी मंगल कर दो आज यहाँ पर
दु:ख दुविधा दातार तू सबकी दूर भगाये
धरती से अम्बर तक गायें महिमा तेरी
हो जय जय तेरी, हो जय जय तेरी

गलमाल पुष्प की सोवत है मूसे असवारी
शीश विराजे मुकुट प्रभु छवि लागे प्यारी
माथे तिलक असीम कान में कुण्डल साजे
हर शुभ कारज में तुम्हे ध्याये सृष्टि सारी
दो ऐसा वरदान हो पूरण आशा मेरी
हो जय जय तेरी, हो जय जय तेरी

करजोड़ करें विनती प्रभु हमरे काज संवारो
इस नैया का प्रभु तुम ही सहारा पार उतारो
हम भक्तो पर महर करो हम शरण पड़े हैं
हम बच्चे हैं तेरे हमको तुम ही उबारो
हो जाओ परगट गजानन करो ना देरी
हो जय जय तेरी, हो जय जय तेरी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-suresh-sagar-kkp/